http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 90

प्रयागराज सोमवार 16 दिसम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

दिल्ली में शीतलहर से लुढका पारा

● क्या आने वाले दिनों में और गिरेगा तापमान?

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में पहाड़ों से आने वाली हवाएं सुबह व शाम को ठिठुरन बढ़ा रही हैं। रात के समय ठंड से बचने के लिए लोग अलाव का सहारा लेने लगे हैं। दिल्ली–एनसीआर में इन दिनों कड़ाके की ठंड पड़ रही है। शीतलहर के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। पहाड़ों में बर्फबारी होने से वहां से आने वाली हवाओं ने मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ा दी है। इससे दिल्ली में ठिठुरने बढ़ गई है। रात के समय ठंड से बचने के लिए लोग अलाव का सहारा लेने लगे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, आज सुबह नरेला में न्यूनतम तापमान 4.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, आया नगर में 7.8, लोधी रोड में 7.0, पालम में 6.4 और रिज में 8.0 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया है। पहाड़ों से आने वाली हवाएं सुबह व शाम को ठिठुरन बढ़ा रही हैं। शनिवार को दिन में धूप खिलने के बाद भी ठंडी हवाओं ने सर्दी का अहसास कराया। इस दौरान न्यूनतम तापमान सामान्य से आठ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस कम है। वहीं, कई इलाकों में पांच डिग्री सेल्सियस तक पारा पहुंच गया। इससे लोगों को ठिठुरन महसूस हुई। इस दौरान हवा में नमी का स्तर 25 फीसदी से लेकर 76 फीसदी रहा। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, दिल्ली में शनिवार को अधिकतम तापमान 23.4 डिग्री दर्ज किया गया। दिनभर ठंडी हवाएं चलती रहीं। लेकिन, धूप निकलने के बाद भी लोगों को ठंड से राहत नहीं मिली। इससे दिन में भी ठंडक महसूस हुई। रात के समय ठंड से बचने के लिए लोग अलाव का सहारा लेने लगे हैं। नरेला इलाके में सुबह सबसे ठंडी रही। यहां का न्यूनतम तापमान सबसे कम 4.7 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, पालम में 6.4, नजफगढ़ में 6.7, मयूर विहार में 6.8, लोधी रोड़ में 7 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। हालांकि, आने वाले दिनों में तापमान में कोई बड़ी गिरावट आने का अनुमान नहीं है। इस दौरान अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

सीएम योगी ने सरदार वल्लभभाई पटेल को दी श्रद्धांजलि, कहा...

देश के एकीकरण के लिए चलाया अभियान

● एक भारत–श्रेष्ठ भारत की पृष्ठभूमि में सरदार पटेल की सोच, मुख्यमंत्री ने लौहपुरुष की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

● सुरक्षित भारत की पृष्ठभूमि में सरदार पटेल की सोच व परिश्रमः योगी

लखनऊ,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल वर्तमान भारत के शिल्पी थे। उनका पूरा जीवन राष्ट्र व भारत मां के चरणों में समर्पित था। 1946 में देश के संविधान सभा का गठन हुआ। उसके प्रमुख सदस्य और स्वतंत्र भारत के पहले गृह मंत्री के रूप में सरदार पटेल ने न केवल देश के एकीकरण के वर्तमान अभियान को नई ऊंचाइयां प्रदान कीं, बल्कि 563 से अधिक रियासतों को भारत गणराज्य का हिस्सा बनाया। आज जो भारत देख रहे हैं, यह सरदार पटेल की सूझबूझ का परिणाम है। एक भारत, श्रेष्ठ भारत, सुरक्षित भारत की पृष्ठभूमि में सरदार पटेल की सोच, प्रयास व परिश्रम है। मुख्यमंत्री ने रविवार को भारत रत्न लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शिरकत की। उन्होंने सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। सरदार पटेल की संकल्पनाओं को मूर्त रूप देने का चल रहा अभियान सीएम योगी ने कहा कि सरदार पटेल ने अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर देश की आजादी के आंदोलन को नई दिशा देने के लिए तत्कालीन नेतृत्व के साथ बढ़–चढ़कर भाग लिया। गुजरात के आणंद के पास छोटे गांव में सामान्य किसान परिवार में उनका जन्म हुआ। प्रारंभिक शिक्षा भी मां के सानिध्य में घर पर संपन्न हुई। इंग्लैंड से लॉ की शिक्षा प्राप्त करने के बाद वे भारत आए। सरदार पटेल का देहावसान 15 दिसंबर 1950 को हो गया। उनके नेतृत्व में भारत नई ऊंचाइयों को छूता। उनकी संकल्पनाओं को मूर्त रूप देने के लिए जो अभियान चल रहा है, वह एक भारत–श्रेष्ठ भारत की पीएम मोदी की परिकल्पना को साकार करेगा। अन्नदाता किसानों की समृद्धि व उत्थान के लिए भी सरदार पटेल ने चलाए जनजागरण के अनेक अभियान सीएम योगी ने कहा कि सरदार पटेल ने चंपारण आंदोलन, नमक सत्याग्रह, भारत छोड़ो आंदोलन समेत आजादी से जुड़े सभी महत्वपूर्ण आंदोलनों में भाग लिया। भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उन्हें जेल की यातना भी झेलनी पड़ी थी। सरदार पटेल ने अन्नदाता किसानों की समृद्धि व उत्थान के लिए जनजागरण के अनेक अभियान भी चलाए। गुजरात में सहकारिता के मजबूत आंदोलन की पृष्ठभूमि में भी सरदार पटेल का विजन है।

बीएसएफ जवानों ने जम्मू सीमा पर पाकिस्तानी ड्रोन को रोका

जम्मू,(एजेंसी)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सतर्क जवानों ने जम्मू के अरनिया क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तानी ड्रोन को रोककर सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी के प्रयास को सफलतापूर्वक विफल कर दिया।बीएसएफ प्रवक्ता ने रविवार को बताया कि शनिवार रात करीब 2010 बजे जम्मू फ्रंटियर के अरनिया सेक्टर में तैनात सतर्क जवानों ने मादक पदार्थों की तस्करी के प्रयास को विफल कर दिया। प्रवक्ता ने कहा, "जवानों ने पाकिस्तानी ड्रोन को रोका और उसके साथ 495 ग्राम मादक पदार्थ बरामद किया।" उन्होंने कहा कि जम्मू बीएसएफ कर्मियों के अथक समर्पण और कड़ी निगरानी ने एक बार फिर राष्ट्र विरोधी तत्वों के नापाक मंसूबों को विफल कर दिया है, जो देश की सुरक्षा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

दिल्ली चुनाव के लिए 'आप' की आखिरी सूची

● सीएम आतिशी–केजरीवाल यहां से लड़ेंगे चुनाव, 'आप' की फाइनल लिस्ट में 38 प्रत्याशियों की घोषणा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए आम आदमी पार्टी के उम्मीदवारों की फाइनल लिस्ट आ गई है। इस लिस्ट में 38 उम्मीदवारों के नाम हैं। दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव हैं। चुनाव की तारीखों का एलान भी जल्द होने वाला है। चुनावी तैयारी के बीच आम आदमी पार्टी ने रविवार को उम्मीदवारों की फाइनल सूची जारी कर दी। इस लिस्ट में 38 नाम हैं। पार्टी ने पहली सूची में 11 सीटों पर उम्मीदवारों का एलान किया। वहीं, दूसरी सूची में 20 सीटों के लिए प्रत्याशी घोषित किए गए। पार्टी ने अपनी तीसरी सूची में एक नाम की घोषणा की थी। सीएम आतिशी कालकाजी सीट से चुनाव लड़ेंगी। वहीं केजरीवाल नई दिल्ली से चुनावी मैदान में हैं। ओखला से अमानतुल्लाह खान को टिकट मिला है। मालवीय नगर से सोमनाथ भारती को उतारा गया है। ग्रैटर कैलाश से सौरभ भारद्वाज प्रत्याशी हैं। सूची आते ही केजरीवाल का भाजपा पर वार आम आदमी पार्टी की फाइनल सूची आने के बाद अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज आम आदमी पार्टी ने सभी 70 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए। पार्टी पूरे आत्मविश्वास और पूरी तैयारी के साथ चुनाव लड़ रही है। बीजेपी गायब है। उनके पास ना सीएम चेहरा है, ना टीम है, ना प्लानिंग है और ना दिल्ली के लिए कोई विजन है। उनका केवल एक ही नारा है, केवल एक ही नीति है और केवल एक ही मिशन है – ष्केजरीवाल हटाओष्। उनसे पूछो 5 साल क्या किया, तो वो जवाब देते हैं – ष्केजरीवाल को खूब गाली दीष्। केजरीवाल ने आगे लिखा, श्हमारी पार्टी के पास दिल्ली वालों के विकास के लिए विजन है, प्लान है और उसे लागू करने के लिए पढ़े लिखे लोगों की एक अच्छी टीम है। पिछले 10 वर्षों में किए कामों की लंबी लिस्ट है। दिल्ली वाले काम करने वालों को वोट देंगे, ना कि गाली देने वालों को।श दूसरी लिस्ट में इन उम्मीदवारों को आप ने दिया टिकट बीते दिनों दिल्ली में आम आदमी पार्टी की पीएसी की बैठक हुई। बैठक में 20 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी की थी। पार्टी ने मनीष सिसोदिया को इस बार जंगपुरा से चुनाव में उतारा है। वहीं राखी बिड़ला मादीपुर से चुनाव लड़ रही हैं। अवध ओझा पटपड़गंज से, शाहदरा से जितेंद्र सिंह शंटी को चुनावी मैदान में उतारा है। आम आदमी पार्टी ने विधानसभा चुनाव के लिए जारी की 20 उम्मीदवारों की सूची... 1. नरेला से दिनेश भारद्वाज 2. तिमारपुर से सुरेंद्र पाल सिंह बिट्टू 3. आदर्श नगर से मकेश गोयल 4. मुंडका से जसबीर करावला 5. मंगोलपुरी से राकेश जाटव धर्मरक्षक 6. रोहिणी से प्रदीप मित्तल 7. चांदनी चौक से पुनरदीप सिंह साहनी 8. पटेल नगर से परवेश रतन 9. मादीपुर से राखी बिड़ला 10. जनकपुरी से प्रवीन कुमार 11. बिजवासन से सुरेंद्र भारद्वाज 12. पालम से जोगिंदर सोलनकी।

अतुल सुभाष खुदकुशी मामला : पत्नी और उसके परिवार के सदस्य गिरफ्तार

बेंगलुरु,(एजेंसी)। कर्नाटक पुलिस ने 34 वर्षीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) इंजीनियर अतुल सुभाष की खुदकुशी मामले में अलग रह रही पत्नी और उनके परिवार के सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन सभी को उत्पीड़न, जबरन वसूली और वित्तीय शोषण के आरोपों के सिलसिले में गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि बेंगलुरु के मंजूनाथ लेआउट के निवासी सुभाष 09 दिसंबर को अपने अपार्टमेंट में मृत पाए गए थे। उन्होंने 25 पन्नों का सुसाइड नोट छोड़ा था। नोट में उन्होंने अपनी पत्नी निकिता सिंघानिया और उनके परिवार पर तलाक की कार्यवाही के दौरान उन्हें लगातार भावनात्मक और वित्तीय संकट में डालने का आरोप लगाया है। अतुल के भाई विकास कुमार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के बाद मराठाहल्ली पुलिस ने निकिता, उनकी मां निशा सिंघानिया और उनके भाई अनुराग सिंघानिया के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने, उत्पीड़न और वित्तीय जबरन वसूली के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की। इस सिलसिले में एक अन्य रिश्तेदार सुशील सिंघानिया को गिरफ्तार किया जाना बाकी है। यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बेंगलुरु पुलिस ने उत्तर प्रदेश और हरियाणा में अपने समकक्षों के साथ मिलकर ये गिरफ्तारियाँ कीं। निकिता को शनिवार सुबह गुड़गांव से गिरफ्तार किया गया, जबकि निशा और अनुराग को इलाहाबाद से पकड़ा गया। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों को मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया, जहाँ से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सीएम भजनलाल शर्मा बोले– हमने अटके फैसलों को जमीन पर उतारा

● 'एक राष्ट्र–एक चुनाव' पर कही ये बड़ी बात

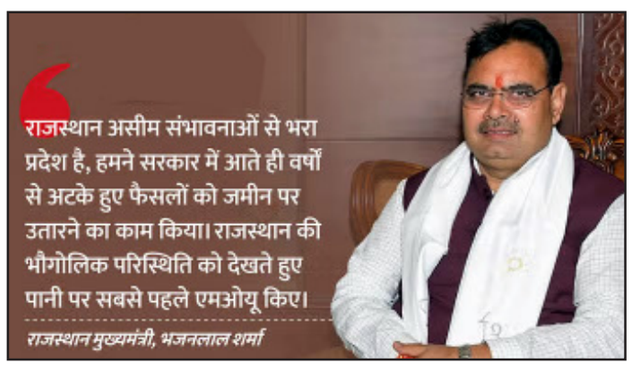

जयपुर,(एजेंसी)। राजस्थान के मुखिया भजनलाल शर्मा से वरिष्ठ संवाददाता सौरभ भट्ट ने खास बातचीत की। इस दौरान सीएम भजनलाल ने अपनी सरकार के काम गिनाए और कई बड़े सवालों के जवाब दिए। राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार का पहला साल आज पूरा हो गया है। पिछले साल 12 दिसंबर को विधायक दल की बैठक में उन्हें सीएम चुना गया और 15 दिसंबर को उन्होंने सीएम पद की शपथ ली थी। पेपर लीक गिरफ्तारियां, ईआरसीपी एमओयू, इनवेस्टमेंट समिट जैसे बड़े काम इस एक साल में हुए। एक साल में उनके क्या तजुर्बे रहे और अब वे किस तरह आगे बढ़ने की योजना बना रहे हैं, इसे लेकर ने उनसे एक्सक्लूसिव बातचीत की। पेश है इस बातचीत के कुछ अंश... सरकार का एक साल पूरा हो गया है, आप इसे कैसे देखते हैं? राजस्थान में क्या बड़ा बदलाव चाहते हैं आप? राजस्थान असीम संभावनाओं से भरा प्रदेश है। हमने सरकार में आते ही वर्षों से अटके हुए फैसलों को जमीन पर उतारने का काम किया। राजस्थान की भौगोलिक परिस्थिति को देखते हुए पानी पर सबसे पहले एमओयू किए। पिछले एक साल में राजस्थान की तस्वीर बदल गई है। पेपर लीक मामले पर कड़ी कार्रवाई की गई, कानून व्यवस्था की स्थिति पहले से बेहतर हुई है। प्रदेश में इन्वेस्टमेंट समिट के बाद निवेश का वातावरण बना है। आप देखेंगे अगले दो साल में राजस्थान भारत के नंबर वन प्रांतों में शुमार हो जाएगा। हमारी सरकार ने यह साबित किया है कि हमने एक साल के दौरान राजस्थान प्रथम का लक्ष्य लेकर प्रदेश की जनता को सुशासन देने का काम किया है। अपने कार्यकाल के शुरुआती दौर में इन्वेस्टमेंट समिट करवा कर हमारी सरकार ने पूरे विश्व में राजस्थान की पहचान कायम की है, यह एक नए राजस्थान के उदय के संकेत हैं। 35 लाख करोड़ के एमओयू किए गए, ये धरातल पर कैसे आ पाएंगे?

इसका फॉलोअप कैसे करेंगे? जिस तरह से हमारी सरकार, मंत्री और अफसर काम कर रहे हैं, उसे देखते हुए एमओयू के धरातल पर आने में कोई समस्या दिखाई नहीं देती।

सूरत में सवाणी बने 5274 परिवारों के पालक पिता

सूरत,(एजेंसी)। गुजरात में सूरत के पी. पी. सवाणी परिवार का 'पियरियुं (मायका) नाम से 16वें वर्ष में भावपूर्ण विवाहोत्सव शनिवार को आयोजित हुआ। महेश भाई सवाणी अब तक कुल 5274 परिवारों के पालक पिता बन गए हैं। एक ही समय में एक ही कार्यक्रम में सामाजिक संदेश के साथ तुलसी के 50,000 पौधे वितरित करने का नया रिकॉर्ड, विवाह समारोह में 370 फट लंबा तोरण (वंदनवार) तथा चरणबद्ध ढंग से 5274 बेटियों का विवाह, इन तीन रिकॉर्ड के लिए गोल्डन बुक ऑफ रिकॉर्ड की टीम ने उपस्थित रहकर सर्टिफिकेट प्रदान किया। सवाणी परिवार द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पी. पी. सवाणी चौतन्य विद्या संकुल, अब्रामा में 'पियरियुं नाम से पिता की छत्रछाया खो चुकी 111 बेटियों का आज अनूठा एवं भावपूर्ण विवाह समारोह आयोजित हुआ। राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस भव्य विवाहोत्सव में सहभागी होकर कन्यादान किया तथा 'पियरियुं छोड़कर ससुराल विदा हो रही पितविहीन बेटियों को दाम्पत्य जीवन की शुभकामनाएँ तथा आशीर्वचन दिए। इस विवाहोत्सव में विश्वविख्यात रामकथा मर्मज्ञ पू. मोरारी बापू, वन एवं पर्यावरण मंत्री मुलुभाई बेरा, शिक्षा राज्य मंत्री प्रफुलभाई पानशेरिया, गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी, विधानसभा के उप मुख्य सचेतक कौशिकभाई वेकरिया सहित महानुभावों की प्रेरक उपस्थिति रही। विवाह समारोह की शीतल संध्या ढोल, शहनाई एवं संगीत के सुरों के साथ प्राचीन विवाह गीतों का सुरीला संगम सृजित हुआ। सवाणी परिवार के आँगन से पितविहीन 111 बेटियों को भावपूर्ण विदाई दी गई। राजनीतिक महानुभावों, अधिकारियों एवं सामाजिक अग्रणियों के करकमलों से कन्यादान किया गया। इस अवसर पर श्री पटेल ने सवाणी परिवार की सेवा भावना की प्रशंसा करते हुए। कहा कि पिछले 16 वर्षों से बेटियों का विवाह करके ही नहीं, बल्कि पिता के रूप में सभी जिम्मेदारियाँ निभाते हुए महेशभाई सवाणी इस वर्ष 5274 बेटियों के पिता बन गए हैं।

'उनकी रुचि सिर्फ राजनीति में'

● विधानसभा सत्र में लोगों के मुद्दों पर चर्चा में नहीं होने पर भाजपा पर भड़के डी.के. शिवकुमार

हुबली,(एजेंसी)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए रविवार को आरोप लगाया कि बेलगावी में जारी विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान राज्य तथा यहां लोगों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने के बजाय विपक्षी दल की रुचि सिर्फ ''राजनीति'' करने में है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में भाजपा गुटों में बंट चुकी है और इसलिए उन्हें वास्तविक मुद्दों पर चर्चा करने में कोई रुचि नहीं है। विधानसभा सत्र में अब तक उत्तर कर्नाटक से संबंधित मुद्दों पर चर्चा नहीं होने के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में यहां शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा, ''क्या करें? भाजपा की किसी भी चर्चा में रुचि नहीं है, उन्हें राजनीति करने के अलावा किसी और चीज में रुचि नहीं। उनके बीच एकता ही नहीं है, इसलिए वे ऐसा कर रहे हैं।'' नौ दिसंबर को शुरू हुआ सत्र आने वाले सप्ताह के दौरान भी जारी रहेगा। महाराष्ट्र की सीमा से सटे बेलगावी में 2006 से हर साल एक बार विधानमंडल सत्र आयोजित किया जाता है। बेंगलुरु में राज्य सचिवालय विधान सौध की तर्ज पर स्वर्ण विधान सौध का निर्माण यह दर्शाने के लिए किया गया था कि बेलगावी कर्नाटक का अभिन्न अंग है। महाराष्ट्र का दावा है कि बेलगावी और उसके आसपास के कुछ इलाके उसका हिस्सा हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या सत्र के दौरान उत्तरी कर्नाटक से संबंधित सिंचाई मुद्दों पर चर्चा की जाएगी तो जल संसाधन मंत्री शिवकुमार ने कहा कि सरकार किसी भी मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। महादयी परियोजना के बारे में पूछे जाने पर उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''मैंने हाल ही में केंद्रीय वन मंत्री (भूपेंद्र यादव) और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी से इस बारे में मुलाकात की थी...हमने निविदा आमंत्रित की हैं और प्रक्रिया पूरी है तथा जैसे ही हमें (केंद्र से) अनुमति मिल जाएगी। , हम काम शुरू कर देंगे।'' उन्होंने कहा कि जोशी और भाजपा सांसद जगदीश शेट्टर को अनुमति हासिल करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमें अनुमति मिलने को लेकर कुछ हद तक भरोसा है।'' ? यह पूछे जाने पर कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के कार्यकाल में कथित तौर पर हुए कोविड–19 घोटाले के संबंध में दर्ज प्राथमिकी में किसी भी नेता का नाम क्यों नहीं है, शिवकुमार ने कहा, ''हमने भाजपा नेताओं पर कुछ नहीं कहा है।

भारत बेफिक्र नहीं

सीरिया में रविवार को जिस तरह से इस्लामी विद्रोहियों ने राजधानी दमिश्क पर कब्जा किया और राष्ट्रपति बशर अल–असद देश छोड़ने को मजबूर हुए, वह अप्रत्याशित तो है ही, पूरे पश्चिम एशिया के लिए अनिश्चितता के एक नए सिलसिले की शुरुआत साबित हो सकता है। इस प्रकरण में कई ऐसे पहलू हैं, जो भारत की चिंता से सीधे तौर पर जुड़ते हैं।

चाहे राष्ट्रपति बशर अल–असद हों या उनके पिता हाफिज अल–बशर, दोनों निरंकुश माने जाते रहे, लेकिन सीरिया में दोनों ने सेकुलर नीति अपनाई। उनके शासन काल में इस्लामी कट्टरपंथियों पर अंकुश बना रहा। अब उनकी जगह काबिज हुए इस्लामी विद्रोहियों के संभावित रुख को लेकर दुनिया भर में आशंकाएं हैं। सीरिया में उनकी वजह से ष्पै जैसे आतंकवादी समूह के फिर से सिर उठाने का डर पैदा हो गया है। ऐसे में यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या आने वाले दौर में भारतीय उपमहाद्वीप में आतंकी तत्वों की सक्रियता बढ़ने वाली है।

सीरिया के साथ भारत के आर्थिक रिश्ते भले ही ज्यादा प्रगाढ़ न हुए हों, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोनों एकजुट रहे हैं। यही नहीं, बशर अल–असद ने कश्मीर के सवाल पर हमेशा भारत का साथ दिया। यहां तक कि कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाए जाने को लेकर भी सीरिया ने कहा था कि यह भारत का आंतरिक मामला है और किसी भी देश को अपने भूभाग में नागरिकों की हिफाजत के लिए जरूरी कदम उठाने का पूरा अधिकार है। देखना होगा कि बदले हालात में सीरिया के रुख में किस तरह का और कितना बदलाव आता है।

विद्रोही गुटों को हासिल तुर्किये के कथित समर्थन को देखते हुए कुछ एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि सीरिया के नए निजाम की नीतियों पर उसका प्रभाव दिखेगा। अच्छी बात यह है कि तुर्किये के साथ भी भारत के रिश्तों में पिछले कुछ समय में सुधार देखा जा रहा है। जहां कश्मीर पर उसके रुख में नरमी आई है, वहीं भारत ने भी ब्रिक्स में तुर्किये की एंट्री को रोकने का प्रयास नहीं किया।

सीरिया के घटनाक्रम पर भारत ने जिस तत्परता से अपना रुख स्पष्ट किया, वह भी काफी कुछ कहता है। 24 घंटे के अंदर ही विदेश मंत्रालय ने सीरिया की एकता, अखंडता और संप्रभुता को अक्षुण्ण रखने की जरूरत बताते हुए कहा कि मसले का हल निकालने की प्रक्रिया न केवल शांतिपूर्ण बल्कि सीरिया की अगुआई वाली और समाज के सभी तबकों के हितों का ध्यान रखने वाली होनी चाहिए। जाहिर है, सीरिया मामले से जुड़े अपने हितों को लेकर भारत संवेदनशील और गंभीर है।

हंगामा नहीं, बहस हो

संसद के मौजूदा शीतकालीन सत्र के 12वें दिन मंगलवार को भी दोनों सदन हंगामों के बीच पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिए गए। सोमवार को भी ऐसा ही हुआ था। पिछले सप्ताह भी संसद में कमोबेश ऐसा ही दृश्य रहा।

संसद चलाने पर सहमति रू यह स्थिति तब है, जब पिछले सप्ताह सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष दोनों में सहमति बनी थी कि सदन में कामकाज को बाधित नहीं होने दिया जाए। यह महसूस किया गया कि सदन ठप होने से कई जरूरी मसलों पर चर्चा नहीं हो पाती।

कांग्रेस का रुख रू देखा जाए तो यह पॉजिटिव डिवेलपमेंट था, जिसके बाद उम्मीद बंधी कि संसद का यह सत्र शायद स्वस्थ बहस का गवाह बने। खास बात यह रही कि इस दबाव के मद्देनजर कांग्रेस नेतृत्व की रणनीति में भी बदलाव दिखा। अदाणी ग्रुप से जुड़े आरोपों पर जोर देने के लिए सदन में हंगामा करने के बजाय कांग्रेस के लोग सदन के अंदर और बाहर अन्य उपायों से इस मसले की ओर ध्यान खींचने लगे। काले रंग के पोस्टरयुक्त जैकेट पहनने से लेकर मुखौटे लगाने तक अलग–अलग तरीके आजमाए गए।

हंगामा जारी रहा रू अफसोस की बात यह है कि इन सबसे संसद के अंदर माहौल में कोई खास बदलाव नहीं आया। विपक्ष के आरोप तो अपनी जगह बने ही रहे, सत्ता पक्ष इसके जवाब में कांग्रेस नेतृत्व की कथित भारत विरोधी जॉर्ज सोरोस के संगठन से मिलीभगत के आरोपों को उसी आक्रामकता से उठाता दिखा। नतीजा यह कि संसद में कामकाज सामान्य रूप से चलने की जो संभावना बन रही थी, वह धूमिल हो गई।

सरकार, विपक्ष में तालमेलरू लेकिन एक वक्त ऐसा भी था, जब हालात अलग थे। 2003 में जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे तो उन्होंने एक कूटनीतिक मामले में विपक्ष की मदद ली थी। वाजपेयी ने वामपंथी नेताओं को चाय पर बुलाया और उन्हें इराक में भारतीय फौज भेजने का विरोध के लिए मनाया। अमेरिका इसके लिए सरकार पर दबाव डाल रहा था। वाजपेयी इराक में भारतीय फौज नहीं भेजना चाहते थे, लेकिन साथ ही यह संदेश भी देना चाहते थे कि चूंकि देश में इस कदम का भारी विरोध हो रहा है, इसलिए वह मांग नहीं मान सकते।

जिम्मेदारी किसकी रू आज सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच ऐसे संबंध की कल्पना नहीं की जा सकती। असल में, लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद के अंदर कामकाज सुचारू ढंग से चलता रहे, यह सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी होती है, लेकिन सत्ता पक्ष पर इसका ज्यादा दायित्व होता है। ऐसे में बयानों और आरोपों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष का एक सा रवैया कोई अच्छी बात नहीं है।

प्रोत्साहित करने के लिए नई रूपरेखा'

अशोक कुमार, – 'सौरभ दिद्दी, – 'सौरभ दिद्दी,

भारत ने जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने और अपने महत्वाकांक्षी जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, दो आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए हैं, जो भारतीय कार्बन बाजार (आईसीएम) के भविष्य को आकार देंगे। ये अनुपालन व्यवस्था के लिए विस्तृत प्रक्रिया और मान्यता प्राप्त कार्बन सत्यापन एजेंसियों के लिए मान्यता प्रक्रिया और पात्रता मानदंड हैं। आशा है कि वे मिलकर कार्बन उत्सर्जन की मात्रा निर्धारित करने और कार्बन क्रेडिट के व्यापार को सुविधाजनक बनाने के भारत के प्रयासों को उत्प्रेरित करेंगे, जिससे देश अपनी जलवायु प्रतिबद्धताओं को अपनाएगा।

भारत की जलवायु रणनीति, जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौते के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) में उल्लिखित है। भारत ने न केवल इसे पूरा किया है बल्कि अपने कई लक्ष्यों को निर्धारित समय से पहले ही पूरा कर लिया है। वर्ष 2016 में हस्ताक्षरित, पेरिस समझौते का उद्देश्य सदी के अंत तक वैश्विक तापमान वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे सीमित करना था। भारत ने शुरू में वर्ष 2005 के स्तर से वर्ष 2030 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 33–35 प्रतिशत तक कम करने का वादा किया था। हालाँकि, भारत ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए इस लक्ष्य को समय से पहले ही प्राप्त कर लिया। अपनी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाते हुए, 2021 में ग्लासगो में पार्टियों के सम्मेलन (सीओपी–26) में, भारत ने और भी अधिक आक्रामक लक्ष्य निर्धारित किए। इसने वर्ष 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने, वर्ष 2030 तक अपनी अर्थव्यवस्था की कार्बन तीव्रता को 45 प्रतिशत तक कम करने और उसी समय सीमा के भीतर गैर–जीवाश्म ईंधन स्रोतों से अपनी 50 प्रतिशत बिजली उत्पन्न करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। इनमें से कुछ प्रमुख उपलब्धियां तय समय से पहले ही हासिल करके, भारत ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के वैश्विक प्रयास में नेतृत्व का प्रदर्शन किया है।

लेकिन हम वहां कैसे पहुंचे? यहीं पर भारतीय कार्बन बाजार (आईसीएम) आता है। विचार सरल हैरू यदि कोई कंपनी अपने कार्बन उत्सर्जन को कम करती है, तो वह कार्बन क्रेडिट नामक कुछ अर्जित करती है, जिसे वह अन्य कंपनियों को बेच सकती है जो अपने उत्सर्जन को कम करने के लिए संघर्ष कर रही हैं। यह एक पुरस्कार प्रणाली की तरह है – जो कंपनियाँ पर्यावरण के लिए बेहतर काम करती हैं वे पैसा कमा सकती हैं, जबकि जिन्हें सुधार के लिए अधिक समय की आवश्यकता है वे अपने अतिरिक्त उत्सर्जन की भरपाई के लिए क्रेडिट खरीद सकती हैं।

भारतीय कार्बन बाजार को एक व्यापक और पारदर्शी प्रणाली की आवश्यकता है जो आर्थिक विकास को गति देते हुए डीकार्बोनाइजेशन को बढ़ावा दे सके। भारतीय कार्बन बाजार, उत्सर्जन मूल्य निर्धारण पर बल देने के साथ, इस संतुलन को प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण व्यवस्था प्रस्तुत करता है। कंपनियों को कार्बन क्रेडिट का व्यापार करने की अनुमति देकर, भारत का लक्ष्य सार्वजनिक और निजी दोनों हितधारकों को अपने कार्बन उत्सर्जन को सक्रिय रूप से कम करने के लिए प्रोत्साहित करना है, जिससे देश को लागत प्रभावी और बडे पैमाने पर डीकार्बोनाइज करने में सक्षम बनाया जा सके।

भारतीय कार्बन बाजार ढांचे का निर्माण

भारतीय कार्बन बाजार की नींव वर्ष 2022 में ऊर्जा संरक्षण अधिनियम, 2001 में संशोधन के साथ रखी गई थी, जिसने सरकार को कार्बन क्रेडिट व्यापार योजना (सीसीटीएस) स्थापित करने का अधिकार दिया। यह योजना भारत को वैश्विक कार्बन बाजार प्रथाओं के साथ जोड कर कार्बन व्यापार को संचालित करने के लिए आवश्यक नियामक संरचना प्रदान करती है। सीसीटीएस, जून 2023 में पेश किया गया और दिसंबर 2023 में और संशोधित किया गया, जो दो प्रमुख व्यवस्थाओंरू अनुपालन और ऑफसेट के माध्यम से कार्बन व्यापार के लिए एक संरचित दृष्टिकोण प्रदान करता है।

अनुपालन व्यवस्था उन उद्योगों और क्षेत्रों को लक्षित करता है जिन्हें ष्बाध्य संस्थाओंष् के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इन संस्थाओं को सरकार द्वारा निर्धारित विशिष्ट ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन तीव्रता (जीईआई) लक्ष्यों को पूरा करना आवश्यक है। यदि कोई बाध्य इकाई अपने उत्सर्जन को निर्धारित लक्ष्य से कम कर देती है, तो उसे कार्बन क्रेडिट प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा, जिसका ट्रेडिंग एक्सचेंज पर कारोबार किया जा सकता है। इसके विपरीत, जो संस्थाएँ अपने लक्ष्य को पूरा करने में विफल रहती हैं, उन्हें अपने अतिरिक्त उत्सर्जन की भरपाई के लिए क्रेडिट खरीदना होगा। यह बाजार–संचालित व्यवस्था सुनिश्चित करती है कि कंपनियों को उत्सर्जन में कटौती करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए, जिससे यह भारत के लिए अपनी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए एक आवश्यक उपकरण बन सके।ऑफसेट व्यवस्था गैर–बाध्यकृत संस्थाओं को कार्बन बाजार में स्वेच्छा से भाग लेने की अनुमति देकर अनुपालन प्रणाली को पूरक करता है। ये संस्थाएं, जिनमें नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं या उत्सर्जन को कम करने के उद्देश्य से पहल शामिल हो सकती हैं, कार्बन क्रेडिट के लिए अपनी गतिविधियों को पंजीकृत कर सकती हैं। समग्र उत्सर्जन में कमी में योगदान देकर, इन परियोजनाओं को कार्बन क्रेडिट से सम्मानित किया जाता है जिसका व्यापार किया जा सकता है। इससे भारत के कार्बन बाजार में प्रतिभागियों के एक व्यापक नेटवर्क को प्रोत्साहन मिलता है।

निष्पक्षता का फायदा

डॉनल्ड ट्रंप अमेरिका के अगले राष्ट्रपति होंगे। रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस को हराया है। ट्रंप के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अच्छे संबंध रहे हैं। पिछले चुनावों में जब बाइडन से ट्रंप हार गए थे, तब अमेरिका में मोदी ट्रंप के राजनीतिक कार्यक्रम में भी शामिल हुए थे। इसकी तब आलोचना भी हुई थी। लेकिन इस बार पीएम मोदी ने निष्पक्ष रवैया अपनाए रखा, जो मुनासिब था और यह नीति सही भी है।

2016 से 2020 के दौरान जब डॉनल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति थे, तो मोदी के साथ उनकी बेहतरीन केमिस्ट्री अक्सर चर्चा में रहती थी। इसका असर इन चुनावों के दौरान इस रूप में दिखा कि एक से अधिक मौकों पर ट्रंप ने मोदी के साथ अपनी अच्छी दोस्ती का हवाला दिया। बेशक, वह इसके जरिये अमेरिका में भारतीय मूल के वोटरों को प्रभावित करना चाहते थे। हाल ही में जब मोदी अमेरिका की यात्रा पर गए तो ट्रंप ने कहा कि भारतीय प्रधानमंत्री उनसे मिलने आ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस यात्रा के दौरान मोदी उनके एक राजनीतिक कार्यक्रम में शामिल होंगे।

भारत की तरफ से इन बातों की पुष्टि नहीं की गई, न मोदी उनके कार्यक्रम में शामिल हुए। वजह यही थी कि राष्ट्रीय हित को देखते हुए भारत ने इन चुनावों में दोनों पक्षों से निश्चित दूरी बनाए रखी। जब डेमोक्रेट बराक ओबामा अमेरिका के राष्ट्रपति थे, तब पीएम मोदी के नेतृत्व में दोनों देशों के बीच रिश्ते और मजबूत हुए। ट्रंप का कार्यकाल खत्म होने के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के जो बाइडन राष्ट्रपति बने तो उन्होंने भारत के लिए कुछ जरूरी टेक्नॉलजी का रास्ता खोला। इस दौरान भारत और अमेरिका में रणनीतिक सहयोग भी बढ़ा है।

जब डॉ. मनमोहन सिंह भारत के प्रधानमंत्री थे, तब उनकी और तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की करीबी की भी काफी चर्चा होती थी। दरअसल, भारत और अमेरिका के रिश्ते दो दशक से लगातार मजबूत हुए हैं। रिपब्लिकन लीडर जॉर्ज बुश के राष्ट्रपति रहने के दौरान भारत के साथ परमाणु ऊर्जा समझौता हुआ था, जिसे मील का पत्थर माना जाता है।

अमेरिका से अच्छे रिश्तों के बावजूद भारत ने अंतरराष्ट्रीय संबंधों में निष्पक्षता की नीति बनाए रखी। यूक्रेन और फलस्तीन–इस्राइल युद्ध इसकी हालिया मिसालें हैं। भारत को रूस का करीबी माना जाता है, लेकिन यूक्रेनी राष्ट्राध्यक्ष वोलोदिमीर जेलेंस्की उससे मध्यस्थता की अपील कर चुके हैं। 'यह युद्ध का दौर नहीं है', मोदी ने यह बात रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन

के सामने ही कही थी, जिसे अमेरिका और पश्चिमी देशों ने भी सराहा था। यह भी भारत के निष्पक्ष रूख का प्रमाण था और अभी तक इस निष्पक्षता का उसे फायदा ही मिला है। आज ग्लोबल साउथ भी भारत की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रहा है। इसमें कोई शक नहीं कि वैश्विक स्तर पर भारत की यह निष्पक्षता और उसकी स्वतंत्र विदेश नीति देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

आईटी में आगे कैसे बढ़ा हैदराबाद

डॉ० आर.के.सिन्हा

अगर आप देश के किसी छोटे–बड़े शहर या महानगर में रहते है, तब आपको मालूम होगा कि आपके अड़ोस–पड़ोस के कुछ नौजवान नौकरी करने के लिए हैदराबाद भी चले गए हैं। यह भी मुमकिन है कि आपके अपने घर–परिवार से भी कुछ बच्चे अब तक चारमीनार और बिरयानी के लिए मशहूर हैदराबाद शहर की किसी टेक या फार्मा सेक्टर की कंपनी में जाकर काम करने लगे हों। दरअसल हैदराबाद गुजरे बीस–पच्चीस सालों में दुनिया के आई टे सेक्टर के नक्शे के केंद्रबिंदु पर आ गया है। शायद ही दुनिया की कोई मशहूर आईटी कंपनी हो, जिसके ऑफिस तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में न हो ।

अगर आज हैदराबाद इस मुकाम पर पहुंचा है, तो इसका श्रेय आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को तो देना ही होगा। वरिष्ठ लेखक दिनेश सी. शर्मा ने अपनी हाल ही में प्रकाशित किताब बियॉन्ड बिरयानीरू द मेकिंग ऑफ ए ग्लोबलाइज्ड हैदराबाद ((बिरयानी से आगेरू एक वैश्वीकृत हैदराबाद का निर्माण) में हैदराबाद के तेजी से बदले चेहरे की कहानी बयां की है। चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र प्रदेश में अपने पूर्ववर्तियों द्वारा रखी गई ठोस वैज्ञानिक अनुसंधान और आर्थिक नींव का लाभ उठाया। हैदराबाद के आईटी पावर हाउस बनने से पहले ही यहां वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान के लिए वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएलएसआईआर) की तरफ से प्रयोगशालाएं स्थापित हो चुकी थीं। यहां से योग्य वैज्ञानिक देश–दुनिया को मिल रहे थे। इसी तरह से यहां इंडियन ड्रग्ज एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड (आईडीपीएल)

और इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड (ईसीआईएल) जैसे संस्थान भी पहले से थे। इनका लक्ष्य अनुसंधान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाना था। इन दोनों सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों ने तकनीकी जनशक्ति का एक बड़ा आधारसेतु विकसित कर दिया था, जिसने उद्यमियों के लिए नए क्षेत्रों में प्रवेश करने के लिए आधार तैयार किया।

देश में 1991 के बाद आर्थिक उदारीकरण की हवा बहने लगी। लाइसेंस परमिट कोटा राज का बड़ी मुश्किल से ही सही , पर धीरे– धीरे अंत हुआ। इसके बाद 1993 में कर्नाटक सरकार ने दूसरे प्रौद्योगिकी एन्क्लेव के रूप में सूचना प्रौद्योगिकी पार्क बनाने के लिए टाटा समूह और सिंगापुर स्थित कंपनियों को अपने साथ जोड़ा। उसे सफलता भी मिली। तब हैदराबाद में ऐसा कोई तकनीकी केंद्र विकसित नहीं हो पाया था।

अब चंद्रबाबू नायडू 1995 में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। वह हैदराबाद को सूचना प्रौद्योगिकी में बैंगलुरू को हराना चाहते थे। उन्होंने अपने सरकारी अफसरों को साफ कह दिया था कि हैदराबाद को सूचना प्रौद्योगिकी में लंबी– ऊंची छलांग लगानी है। हैदराबाद के पास इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए सब कुछ थारू तकनीकी जनशक्ति का एक बड़ा आधार, प्रौद्योगिकी क्षेत्र में काम कर रहे सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और अनुसंधान संस्थानों और उद्यमियों की एक श्रृंखला , जो जोखिम उठाने को तैयार थी। लेकिन , हैदराबाद में बुनियादी ढाँचे का अभाव था जैसे एक प्रौद्योगिकी एन्क्लेव, विश्वसनीय बिजली आपूर्ति, अच्छी सड़कों का जाल और अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा। चंद्रबाबू नायडू की सरकार ने इन सब क्षेत्रों पर एक साथ काम किया और हैदराबाद की भारत और भारत से बाहर निवेशकों के बीच गंभीरता से मार्केटिंग भी की।

उन्होंने विज्ञान पार्क मॉडल को अपनाया, जिसे पश्चिम के साथ–साथ दक्षिण कोरिया, ताइवान और मलेशिया जैसे पूर्वी एशियाई देशों में प्रौद्योगिकी आधारित आर्थिक विकास और विकास के मॉडल के रूप में

सफलतापूर्वक आजमाया गया था।

बेशक, चंद्रबाबू नायडू ने साबित कर दिखाया कि अगर आप में इच्छा शक्ति हो तो आप अपने प्रदेश या देश की किस्मत बदल सकते हैं। वह पहली बार लगभग तीन दशक पहले अविभाजित आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। उन्होंने अपने ससुर एनटी रामाराव को सत्ता से बेदखल कर दिया था। चंद्रबाबू नायडू ने अपनी इमेज एक उद्योग–समर्थक और प्रौद्योगिकी–समर्थक वाले नेता की बनाई । उन्होंने हैदराबाद को आईटी हब के रूप में स्थापित करने में दिन–रात की मेहनत की। राज्य का मुख्यमंत्री बनने के बाद वे माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स से मिले। उस मुलाकात के बाद से ही हैदराबाद बदलने लगा। वहां दुनिया भर की चोटी की आईटी कंपनियों ने अरबों रुपए का निवेश किया। बिल गेट्स किसी काम के लिए राजधानी दिल्ली में थे। चंद्रबाबू को पता चला कि गेट्स राजधानी में हैं। वह गेट्स से मिलने की कोशिश कर ही रहे ही थे। उनकी तरफ से अमेरिका एंबेसी के अधिकारियों से गुजारिश की गई कि उनकी (नायडू) गेट्स से मुलाकात करवा दी जाए। उन्हें बताया गया कि गेट्स बहुत व्यस्त हैं, और अगर वे सच में उनसे मिलने को इच्छुक हैं तो वे शाम को एँबेसी में आयोजित पार्टी में शामिल हो जाएं। वहां गेट्स मिलेंगे। वहां तय समय पर नायडू पहुंच गए , गेट्स से मिलने। वहां दोनों मिले। नायडू ने एक लैपटॉप के माध्यम से गेट्स को प्रेंजटेशन दिया। इस तरह से प्रेजंटेशन देने वाले नायडू पहले भारत के नेता थे। यह सब देखकर गेट्स काफी प्रभावित हुए। इसके बाद हैदराबाद में माइक्रोसॉफ्ट का विकास केंद्र स्थापित हुआ। उसके बाद तो हैदराबाद और आंध्र प्रदेश में दर्जनों आईटी कंपनियों ने तगड़ा निवेश किया। खैर,हैदराबाद की बात होगी तो बिरयानी की चर्चा तो अवश्य ही होगी ही। दिनेश सी. शर्मा बियोंड बिरयानी में हैदराबादी बिरयानी की अखिल भारतीय स्तर पर लोकप्रियता को आर्थिक उदारीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था के वैश्वीकरण से जोड़कर देखते हैं। पिछले साल जोमेटो से हरेक सेंकिड 3.19 बिरयानी के ऑर्डर दिए गए। उधर स्विगी को हरेक सेंकिड 2.5 ऑर्डर मिले। इनकी कुल संख्या करोड़ों में है। इनमें सर्वाधिक ऑर्डर हैदराबादी बिरयानी के लिए थे। बीते दो–तीन दशकों के दौरान हैदराबाद की टेक और फार्मा कंपनियों में काम करने के लिए देशभर से नौजवान पहुंचने लगे। इसी तरह से हैदाराबादी भी अपने शहर से कामकाज के सिलसिले में बाहर निकले। इस तरह की दो–तरफा आवाजाही से हैदराबादी बिरयानी लोकप्रिय होती गई और बिरयानी बेचने वालों की चांदी हो गई।

बिरयानी समोसे की तरह, मध्य एशिया से भारत आई। कहा यह भी जाता है कि केरल का मालाबार वह इलाका है जहां अरब व्यापारी सबसे पहले आए।वे अपने साथ बिरयानी भी लाए। बिरयानी अब हमारी हो चुकी है। हालांकि हैदराबादी बिरयानी के कद्रदान कहते हैं कि हैदराबादी बिरयानी के सामने मुरादाबादी, दिल्ली और मालाबर की बिरयानी को उन्नीस ही हैं। हैदराबादी बिरयानी में मसालेदार, पका हुआ चावल, मांस और नारियल और केसर का तड़का लगाया जाता है। अगर इसे कायदे से बनाए तो खाने वाले का पेट भर सकता है,पर नीयत नहीं। बहरहाल, हैदराबाद की पहचान अब सिर्फ बिरयानी भर से ही नहीं होती।हैदराबाद अब आई टी का एक बड़ा केंद्र बनकर उभरा है ।

सेंट फ्रांसिस स्कूल के वार्षिकोत्सव स्पर्श का बड़े ही धूमधाम से हुआ आयोजन

शिक्षा, संस्कार, कठिन परिश्रम, लगन और व्यक्ति के अंदर छिपे हुए कौशल को उचित प्लेटफॉर्म मिलने से होता है संपूर्ण व्यक्तित्व का विकास एवं ईश्वर के पश्चात गुरु रूपी सत्ता से ही होता है व्यक्ति के संपूर्ण व्यक्तित्व का निर्माण। ऐसा ही कुछ नजारा था सेंट फ्रांसिस स्कूल में आयोजित वार्षिकोत्सव स्पर्श 2024 का।

कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल के बैग पाइपर बैंड ग्रुप एवं विद्यालय की स्कूल कैप्टन दीप शिखा यादव एवं स्कूल केबिनेट मेंबर्स के मार्च पास्ट के साथ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्रीमती दीपिका हुलगी, विशिष्ट अतिथि फादर विपिन डिसूजा (डायरेक्टर नजरेथ हॉस्पिटल प्रयागराज), श्रीमती लक्ष्मी हुलगी, वारंट ऑफिसर प्रमोद कुमार शुक्ला, फ्लाइंग ऑफिसर आर के पाण्डेय, प्रबंधक रोशन लाल वत्स, प्रतीक वत्स, श्रीमती दर्शना देवी वत्स आदि ने मिलकर दीप प्रज्वलन के साथ किया। तत्पश्चात विद्यालय के होनहार नन्हे–मुन्ने बच्चों के द्वारा अतिथियों के सम्मान में शिक्षिका पूजा उपाध्याय द्वारा स्वागत नृत्य शिवानी, हर्षिता, गौरी, रिया, जानवी आदि के द्वारा प्रस्तुत किया गया।

स्वागत नृत्य के पश्चात तो एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बाढ़ सी आ गई। जिसे देखकर उपस्थित जनसमूह ने हृदय से तालियां बजाई, और नन्हे मुन्ने बच्चों की प्रस्तुति की जमकर सराहना की। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शिक्षक पवन कुमार एवं विवेक केसरवानी के नेतृत्व में ष्तान्हा जीष नृत्य नाटिका छात्र सत्येंद्र पाल, सुशील यादव, परिधि सक्सेना, अपर्णा, सृष्टि, प्रगति, यशी, गार्गी और अस्मिता आदि के द्वारा। शिक्षिका हर्षिता सिंह, के नेतृत्व में कार्यक्रम ष्ऋतु की परछाईष सुप्रिया, अखिलेश, यशस्वी, मनप्रीत, विधि, आभास, वंश और वेदिका आदि के द्वारा। श्रीमती नीलम यादव के नेतृत्व में ष्ईश्वर की प्रार्थना नृत्यष दीपांजलि मौर्य, कोमल ओझा, श्रेया सागर, निहारिका और मानसी यादव आदि के द्वारा शिक्षक भावेश कुमार, आनंद डिक्रूज और अर्चना के नेतृत्व में ष्पुराना एवं नया जमानाष प्रियांशी पाल, श्रेजल शर्मा, स्वरा केसरवानी, आर्या सिंह, शौर्य पांडे आदि के द्वारा, शिक्षिका साक्षी चौरसिया, सोनम के नेतृत्व में कार्यक्रम ष्मुझे स्कूल नहीं जानाष गौरिका, अलीशा फातिमा, हिफजा बानो, वैभव चंद्र, प्रख्यात केशरवानी आदि के द्वारा। ष्लाडो नृत्य नाटिकाष अरीबा, अंशिका, श्वेता, दीपांजलि, अंश सिंह आदि के द्वारा। शिक्षिका अंजना त्रिपाठी के नेतृत्व में ष्एसएफएस क्वायरष ष्स्कूल एंथमष आदि कार्यक्रम उन्नति, मानसी, छवि, दिविता, जानवी जायसवाल, लोकाव्य ठाकुर, मयंक आदि के द्वारा। शिक्षिका मनीषा कुशवाहा एवं रंजना पांडे के नेतृत्व में ष्कठपुतली डांसष आदविका, तृषा, आराध्या, अनमोल, आन्या जायसवाल आदि के द्वारा। शिक्षिका दिव्या सिंह, स्वाती यादव के नेतृत्व में कार्यक्रम ष्एक कली दो पत्तियांष हर्षित, वैष्णवी, अभिराज, आदित्य, अभ्यांश आदि के द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय की छात्र–छात्रा प्रगति, ध रुव, ज्येष्ठा, गार्गी, आलिजा, अपर्णा, सृष्टि, श्रेयांश, श्लोक, रेशवा, दिविता, जानवी आदि के द्वारा किया गया। उक्त सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यालय के लगभग 900 बच्चों ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित फादर विपिन डिसूजा ने अपने उद्बोधन में कहा की यहां के बच्चों की प्रतिभा को देखकर कहीं से यह नहीं लगता कि मैं किसी ग्रामीण अंचल के विद्यालय में बैठा हूं। यहां के बच्चों ने जो प्रस्तुति दी है उससे यह स्पष्ट होता है कि यहां के शिक्षक–शिक्षिकाओं के साथ ही साथ यहां के बच्चे भी बहुत ही मेहनती और होनहार हैं। इस ग्रामीण अंचल को शिक्षा के साथ–साथ संस्कार और जीवन में बदलाव लाने का जो कार्य विद्यालय कर रहा है, वह एक अकल्पनीय कल्पना भविष्य में सिद्ध होगा। कार्यक्रम में उपस्थित समाजसेवी समीर सिंह काजू के द्वारा गरीब बच्चों के पठन–पाठन हेतु पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराने की घोषणा की गई। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य जेराल्ड पी डिसूजा ने आए हुए समस्त अतिथियों छात्र–छात्राओं शिक्षक शिक्षकों सहित समस्त सहयोगियों एवं कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से थाना अध्यक्ष चरवा जगदीश कुमार, जितेंद्र प्रताप सिंह, दिनेश यादव, अवनीश शुक्ला, कुलदीप सोनी आदि उपस्थित रहे।

संक्षेप

संकुल बैठक में शैक्षिक गुणवत्ता सहित विभिन्न बिंदुओं पर विमर्श

बस्ती।(आरएनएस) हरैया ब्लाक के जगदीशपुर न्याय पंचायत के संकुल

शिक्षकों की मासिक बैठक कंपोजिट विद्यालय उभाई में मंगलवार को संपन्न हुई। शिक्षक संकुल प्रमोद त्रिपाठी, रवीश कुमार मिश्र, आदित्य सिंह, मस्तराम यादव, शिल्पी गुप्ता द्वारा शैक्षिक गुणवत्ता पर जोर देने के साथ ही शिक्षकों के बीच शैक्षणिक रणनीति को साझा किया गया। ग्रो फ्रेमवर्क का उपयोग, टीएलएम प्रदर्शनी पर कार्य, नैट तथा परख परीक्षा, पांच प्वाइंट टूल किट, सामूहिक मंथन की महत्व, ईकोक्लब की गतिविधियों पर चर्चा, निपुण लक्ष्य एप नियमित आकलन, निपुण बनाने हेतु कार्य योजना के क्रियान्वयन पर चर्चा, बेस्ट प्रैक्टिसेज की शेयरिंग पर चर्चा, रिमेडियल शिक्षण की रणनीतियों पर चर्चा, शिक्षक द्वारा समय सारणी के अनुपालन तथा प्रयोग आदि विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। बताया गया कि सभी शिक्षक अपने विद्यालयों को तय समय में निपुण करें और विभाग द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं को सही ढंग से संपन्न कराएं। संकुल शिक्षकों द्वारा मासिक डीसीएफ बैठक के उपरान्त भरा गया।इस अवसर पर विद्यासागर वर्मा, देवेन्द्र शुक्ल, साकेत मिश्र, मेराज अहमद, प्रदीप शुक्ल, मधुलिका द्विवेदी, सरिता, विमलेंद्र, राजकुमार सिंह, हनुमान वर्मा, ज्ञानदास, विनोद श्रीवास्तव, अविनाश सिंह, जीतेंद्र वरुण, बृजेश गुप्ता, महेंद्र वर्मा, अनिल कुमार आदि उपस्थित रहे।

बाइक सवार दो भाइयों को कुचलते हुए निकल गया, घर में पसरा मातम

मेरठ(आरएनएस)। सरधना क्षेत्र में गंगनहर कांवड़ पटरी मार्ग पर घने कोहरे में सोमवार देर रात अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो चचेरे भाइयों जॉनी (31) और नीरज (29) को टक्कर मार दी। सड़क पर गिरने के बाद वाहन उन्हें कुचलते हुए आगे निकल गया। दोनों भाई कई घंटे सड़क किनारे पड़े रहे। बाद में पुलिस उन्हें सीएचसी लेकर पहुंची, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।ईकड़ी निवासी नीरज पुत्र फकीरा और जॉनी पुत्र सुशील सोमवार शाम बाइक पर सकौती में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। इसके बाद देर रात कांवड़ मार्ग से होते हुए गांव ईकड़ी लौट रहे थे। घने कोहरे के बीच चौधरी चरण सिंह कांवड़ पटरी मार्ग पर गांव अटेरना के पास पीछे से आए किसी वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। सड़क पर गिरने के बाद भी वाहन उन्हें रौंदता हुआ निकल गया। कोहरा कुछ कम होने पर राहगीरों की नजर पड़ी तो पुलिस को सूचना दी गई। रात करीब साढे 12 बजे मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों को वहां से उठाया और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरधना लेकर पहुंची। चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सीओ संजय कुमार जयसवाल ने बताया कि पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। पोस्टमार्टम कराकर मंगलवार दोपहर बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। जॉनी और नीरज मजदूरी करते थे।

वरिष्ठ पत्रकार की मनाई पुण्यतिथि

मीरजापुर।(आरएनएस) श्री लालबहादुर शास्त्री प्राइमरी स्कूल इमामबाड़ा में डॉ जेके जायसवाल के पूज्य पिता एवं वरिष्ठ पत्रकार रविन्द्र जायसवाल उर्फ लल्लू बाबू के प्रथम पुण्यतिथि पर दी गार्डन स्टार्स ग्रुप लालड़िग्गी पार्क के तत्वाधान में स्कूल के ११० बच्चों को टिफिन वितरण किया गया। तथा लल्लू बाबू के जीवन वृत्त पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम का सफलता पूर्वक समापन किया गया। इस मौके पर गार्डन ग्रुप के अध्यक्ष सुनील जैन ने आज के कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रविन्द्र जायसवाल उर्फ लल्लू बाबू पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बनाने में कामयाब रहे हैं। पत्रकारिता के साथ–साथ उनकी नगर में भी एक अलग पहचान रही है जो अपने कार्य व्यवहार के लिए सदैव जाने जाएंगे। इस मौके पर उपस्थित लोगों ने पुण्यतिथि पर उनके फोटो पर माल्यार्पण कर उन्हें भीगी आंखों से भाव भीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया। कार्यक्रम में डॉ जेके जायसवाल, राकेश मिश्रा, भानू चौबे शामिल हुए।

लव–जिहाद से जुड़े परिवार पर शिवसेना ने की कार्रवाई की मांग

मेरठ(आरएनएस)। शिव सेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे मेरठ इकाई द्वारा जिला प्रमुख संदीप गर्ग के नेतृत्व में नाम व पहचान छुपाकर लव–जिहाद व अन्य अपराधों में जुड़े असमाजिक तत्वों के खिलाफ कलेक्ट पर प्रदर्शन कर ज्ञापन के मध्यम से कार्यवाही की मांग की गई। प्रदेश महासचिव व पश्चिमी यूपी प्रभारी धर्मेन्द्र तोमर ने बताया

कि थाना मैडिकल के कालियागढी में समुदाय विशेष का एक परिवार अपनी नाम व पहचान छिपाकर हिन्दू पहचान से रह रहे हैं, इसी परिवार के मो. नईम उर्फ रोहित एक हिन्दू लड़च्की को लव जिहाद में फंसाकर फरार हो गया, जब लड़च्की के परिवारजनों ने विरोध किया तो अब उन्हें धमकी देकर शांत करा दिया गया। इस परिवार के नकली आधार कार्ड व अनुष्सुचित जाति प्रमाण पत्र भी बनवा रखा है।प्रशासन ऐसे असमाजिक तत्वो पर तुरंत कार्यवाही करे। कलैक्ट्रेट पर प्रदर्शन करने वालो में मास्टर अजीज ठेकेदार ,ओमवीर शर्मा, कमल प्रजापति, रजत सिंह जसवीर सिंह, नौशाद डान, ओमप्रकाश अजीत सिंह, मिथलेश, राम सिंह यादव, मोनू कुमार, गुलशन कुमार पाल, खुशी शर्मा, बबली, विशाल वेशांनी, सुमरती ,सुनीता, नूरजहाँ शिव, नितिन कुमार गोयल, अभिषेक गुप्ता, अमरनाथ, बन्टी कमल सिंह, विरजू, इम्तियाज, आकाश कन्नोजिया, रवि भगत, चंचल, धर्मपाल, बिक्की हारून, आमिर आदि शामिल

पट्टीदारों ने ढ़हा दिया महिला का मकान

सरायअकिल, कौशाम्बी। इलाके के बरई गांव में पट्टीदारों ने महिला का मकान गिरा दिया। आरोप है कि विरोध करने पर पट्टीदारों ने गाली–गलौज करते हुए उसे जान से मारने के इरादे से दौड़ा लिया। एसपी के आदेश पर नौ आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की छानीबन कर रही है।

बरई गांव निवासी प्रकाशचंद्र त्रिपाठी को सिर्फ एक बेटी जयललिता त्रिपाठी हैं। बताया कि वह काफी दिनों से बीमार चल रहे हैं। बेटी ही उनकी देखभाल करती है। बेटी जयललिता के मुताबिक पिता की संपत्ति पर पट्टीदारों की नीयत खराब है। इसे लेकर कई बार परिवार वालों से विवाद और मुकदमेबाजी हो चुकी है। विवाद से बचने के लिए वह इन दिनों सरायअकिल में किराए का कमरा लेकर बीमार पिता के साथ रह रही हैं। आरोप है कि मंगलवार शाम पिता के पट्टीदार एकराय होकर बेरुई गांव स्थित मकान को गिरा दिया।

एजूकेशन लैंड पर निर्माण रोकने को लेकर दिया ज्ञापन

मेरठ(आरएनएस)। आज आम आदमी पार्टी मेरठ जिलाध्यक्ष अंकुश चौधरी ने मेरठ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अभिषेक पांडे जी को मवाना रोड पर एजुकेशन लैंड पर बने शिक्षण संस्थान ट्रांसलैम एकेडमी के बड़े हिस्से को तोड़कर अवैध रूप से आवासीय कॉलोनी बनाने के संबंध में ज्ञापन दिया। अंकुश चौधरी ने कहा मेरठ में एजुकेशन लैंड पर बने शिक्षण संस्थानो को तोड़कर मेरठ विकास प्राधिकरण के नियमो की धज्जियां उड़ाकर अवैध रूप से आवासीय कॉलोनी का निर्माण धड़ल्ले से किया जा रहा है। मवाना रोड पर स्थित ट्रांसलैम एकेडमी, ट्रांसलैम कॉलेज ने सरकार से शिक्षण संस्थान के नाम पर करोड़ों रुपए का लाभ अर्जित किया। अब ट्रांसलैम के संचालकों ने सैकड़ो छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करते हुए स्कूल और कॉलेज के बड़े हिस्से में बनी बिल्डिंग को बिना अनुमति के गिरा दिया गया। अब वहां अवैध रूप से कॉलोनी का निर्माण कर प्लॉट काटकर बेचे जा रहे हैं। इतने बड़े स्तर पर स्कूल, कॉलेज की जमीन पर अवैध आवासीय कॉलोनी का निर्माण बिना मेरठ विकास प्राधिकरण के उच्च अधिकारियों की सहमति के बिना नही हो सकता। तत्काल इन आवासीय कॉलोनी पर सील लगाकर आवश्यक कार्रवाई की जाए ताकि मेरठ के आमजन इस धोखाधड़ी से बच सके। हमारी मांग है इस तरह के शिक्षण संस्थानों को तोड़कर अवैध आवासीय कॉलोनियो के अनाधिकृत निर्माण को लेकर उच्च स्तरीय कमेटी बनाकर तत्काल जांच की जाए व दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। आज प्रतिनिधिमंडल में जिला संरक्षक एसके शर्मा जिला मीडिया प्रभारी हर्ष वशिष्ठ, जिला सचिव गजेंद्र, रॉबिन चौधरी आदि रहे।

चारों तहसीलों में आयोजित हुए सम्पूर्ण समाधान दिवस

सोनभद्र। शासन की मन्शा के अनुरूप जिले की चारों तहसीलों में ''सम्पूर्ण समाधान दिवस '' का आयोजन अक्टूबर महीने के तीसरे शनिवार को किया गया। तहसील राबर्ट्सगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह व पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा की अध्यक्षता में किया गया। इस मौके पर जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक ने शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को बड़े ही सरलभाव से सुना और निस्तारण के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारयों को सम्बोधित करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्राप्त शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण तरीके से निस्तारण किया जाना है, सम्बन्धित अधिकारी अपने–अपने कार्यालयों में समय से उपस्थित होते हुए जनमानस के शिकायतों का निस्तारण समय से करना सुनिश्चित करेंगें। जिलाधिकारी ने समस्त कार्यालयाध्यक्षों को निर्देशित करते हुए कहा कि अपने–अपने अधीनस्थों को अवगत करा दें कि किसी प्रकार की योजनाओं को आम जनता को देने में पैसे की मांग किये जाने, लाभार्थीपरक पत्रावलियों के निस्तारण में, जनता की समस्याओं के निस्तारण के दौरान पैसे की मांग करने की शिकायत प्राप्त होती है, तो सम्बन्धित के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जायेगी। ऐसे मामले जो मौके पर जाकर निस्तारण किया जाना है, दोनों पक्षों के समक्ष वार्ता कर प्रकरण का निष्पक्ष तरीके से निस्तारण करना सुनिश्चित किया जाये। कार्यालय में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता का फीडबैक लेते हुए शिकायतों का निस्तारण किया जाये, जिससे कि शिकायतकर्ता को किसी प्रकार की समस्या न होने पाये और उनके प्रकरण का निस्तारण समय से किया जा सके।सम्पूर्ण समाधान दिवस के मौके पर जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, उप जिलाधिकारी सदर उत्कर्ष द्विवेदी, जिला विकास अधिकारी शेषनाथ चौहान आदि ने 133 शिकायतें सुनते हुए मौके पर ही 17 मामलें निस्तारित किये गये और 4 टीम को क्षेत्र में भेजकर 4 प्रकरणों को निस्तारित किये गये। इस प्रकार तहसील दिवस राबर्ट्सगंज में कुल 21 मामले निस्तारित हुए, बाकी 112 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने की कार्यवाही के निर्देश सम्बन्धित को दिये गये हैं।इसी प्रकार तहसील ओबरा में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी ने शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को बड़े ही सरलभाव से सुना और निस्तारण के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया, इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने उपस्थित अधिकारयों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्राप्त शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण तरीके से निस्तारण शिकायतकर्ता का फीडबैक लेते हुए शिकायतों का निस्तारण किया जाये, जिससे कि शिकायतकर्ता को किसी प्रकार की समस्या न हो और उनके प्रकरण का निस्तारण समय से किया जा सके। इस मौके पर उप जिलाधिकारी ओबरा विवेक कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह, तहसीलदार ओबरा सुशील कुमार आदि ने 55 शिकायतें सुनते हुए, मौके पर ही 6 मामलें निस्तारित किये और 3 टीम को क्षेत्र में भेजकर 3 प्रकरणों को निस्तारित किये गये। बाकी 46 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।इसी प्रकार तहसील घोरावल में उप जिलाधिकारी घोरावल राजेश सिंह की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया, इस मौके पर उप जिलाधिकारी घोरावल राजेश सिंह, तहसीलदार नटवर सिंह, नायब तहसीलदार विदित तिवारी, सी0ओ0 घोरावल आदि ने 59 शिकायतें सुनते हुए ,मौके पर ही 5 मामलें निस्तारित किये गये और 1 टीम को क्षेत्र में भेजकर 1 प्रकरण को निस्तारित किये गये। बाकी 53 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।इसी प्रकार तहसील दुद्धी में तहसीलदार ज्ञानेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न हुआ। इस मौके पर तहसीलदार दुद्धी ज्ञानेन्द्र यादव, सी0ओ0 दुद्धी आदि ने 37 शिकायतें सुनते हुए, मौके पर ही 2 मामलें निस्तारित किये गये और 1 टीम को क्षेत्र में भेजकर 1 प्रकरणों को निस्तारित किये गये। इस प्रकार तहसील दिवस दुद्धी में कुल 3 मामले निस्तारित हुए, बाकी 34 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

फेफड़ों में जा रहा 15 सिगरेट का धुआं

मेरठ(आरएनएस)। प्रकृति के साथ छेड़छाड़ का असर दिखने लगा है। जहरीली हवा से लोगों के प्राण संकट में हैं, ऐसे में एक और कोरोना की आहट दिख रही है। दिल्ली की स्थिति गंभीर है और मेरठ भी उसी रास्ते पर आकर खड़ा हो गया है। यदि समय से नहीं चेते, तो एक और कोविड की यह दस्तक होगी। देश में फिर लॉकडाउन जैसे हालात होंगे। यह बात मंगलवार को आरजी पीजी कॉलेज में आयोजित सेमिनार में पर्यावरणविद पद्मभूषण पद्मश्री डॉ. अनिल जोशी ने कही। राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय पर्यावरण संकट एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाएं रू चुनौतियां, रणनीतियां और समाधान रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. अनिल जोशी, विशिष्ट अतिथि सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के पूर्व अतिरिक्त निदेशक डॉ. एसके त्यागी, जागरूक नागरिक संगठन के सचिव गिरीश शुक्ला और प्राचार्य प्रो. निवेदिता कुमारी ने मां सरस्वती के समक्ष दीप जलाकर किया।

तकनीकी सत्र में प्रो. डिंपल विज प्राचार्य एकेपी कॉलेज खुर्जा ने जलवायु परिवर्तन और अर्थव्यवस्था प्रभाव रणनीतियां एवं समाधान विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि 2024 की क्लाइमेंट रिस्क लैंडस्केप रिपोर्ट के अनुसार 2023 इस शताब्दी का सबसे गर्म साल रहा है। दूसरे तकनीकी सत्र में मोदीनगर से डॉ. राजपाल त्यागी ने वायु प्रदूषण को लेकर पैदा होने वाली चुनौतियों पर चर्चा की। सेमिनार में 400 से अधिक प्रतिभागी, 60 से अधिक शिक्षक, शोधार्थी ने पेपर प्रस्तुत किए।धूम्रपान करने वाले 100 में 60 लोगों को सीओपीडी (क्रॉनिक ऑब्सट्रेक्टिव पल्मोनरी डिजीज) हो रही है। प्रदूषण सीओपीडी के मरीजों की जान के जोखिम को और बढ़ा देता है। इन दिनों प्रदूषण का स्तर (एक्यूआई) 350 के आसपास है, जो 15–20 सिगरेट पीने के बराबर है। विशेषज्ञ चिकित्सक सिगरेट पीने वाले व्यक्ति की जिंदगी हर रोज छह मिनट तक कम होने का दावा करते हैं।

सांस एवं छाती रोग विशेषज्ञ डॉ. वीरोत्तम तोमर ने बताया कि पिछले कुछ सालों से महिलाओं में यह बीमारी बढ़ी है, क्योंकि महिलाएं भी काफी धूम्रपान करने लगी हैं। साथ ही प्रदूषण इसे और बढ़ा रहा है। दमा आनुवांशिक होता है और धूम्रपान–प्रदूषण से बढ़ता है, जबकि सीओपीडी आनुवांशिक नहीं होता। यह प्रदूषण और धूम्रपान से फैलता है। इन्हेलर इस्तेमाल से इसे नियंत्रित किया जा सकता है। निमोनिया की वैक्सीन भी लगवा सकते हैं।सांस एवं छाती रोग विशेषज्ञ डॉ. वीएन त्यागी ने बताया कि एक सिगरेट में चार हजार हानिकारक तत्व होते हैं। इसमें मुख्यतरू निकोटिन, टार, कार्बन मोनोक्साइड, आर्सेनिक और कैडमियम आदि होते हैं। सीओपीडी टीबी से भी ज्यादा घातक है। हर साल दुनिया में करीब 30 लाख लोगों की जान इस बीमारी से जा रही है, जो टीबी से करीब सात गुना ज्यादा है।

महाकुंभ में लगे सफाई कर्मियों को सम्मानित करेंगे पीएम मोदी

15 हजार स्वच्छता प्रहरी के जिम्मे होगी सफाई व्यवस्था, प्रशासन तैयारियों में जुटा

प्रयागराज। प्रयागराज में लगने जा रहे महाकुंभ को देखते हुए पीएम नरेंद्र मोदी इस बार भी सफाई कर्मियों को सम्मानित करेंगे। पिछले दिनों प्रयागराज पहुंचे प्रधानमंत्री ने इस बारे में चर्चा भी की थी। महाकुंभ को भव्य, दिव्य और अविस्मरणीय बनाने के लिए प्रशासन की तरफ से लगातार हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

ऐसे में पूरे मेला क्षेत्र में स्वच्छता की जिम्मेदारी सफाई कर्मियों पर रहेगी। इसके लिए प्रशासन की तरफ से खास इंतजाम किए गए है। जिससे मेला क्षेत्र को स्वच्छ बनाया जा सके।

15 हजार स्वच्छता प्रहरी होगें तैनात

महाकुंभ मेले को स्वच्छ बनाने के लिए प्रशासन की तरफ से हर तरह की तैयारी की गई है। इसके लिए प्रशासन की तरफ से करीब 15 हजार कर्मचारी तैनात किए जाएंगे। जिन पर मेला क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखने की जिम्मेदारी होगी।

इसके अलावा मेला क्षेत्र से सटे इलाकों में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए भी नगर निगम प्रयागराज की तरफ से विशेष तैयारियां की गई है। इसके लिए कीडगंज, दारागंज, अलोपीबाग समेत अन्य इलाकों में सफाई कर्मियों की संख्या को बढ़ाया गया है।

नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग ने बताया कि पीएम की मंशा के अनुरूप प्रयागराज में लगने जा रहे महाकुंभ को भव्य, दिव्य व स्वच्छ बनाने के लिए निगम की तरफ से लगातार प्रयास किया जा रहा है। इससे यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर अनुभूति हो सके।

2019 में पीएम ने सफाई कर्मियों का पैर धोकर किया था अभिवादन

प्रयागराज में 2019 के भव्य व दिव्य कुंभ में बेहतर सफाई व्यवस्था को देखते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने यहां आकर सफाई कर्मियों का अभिवादन किया था। इस अवसर पर उन्होंने सफाई कर्मियों के पैर ध ोकर उनको महाकुंभ को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया था।

इसको पूरी दुनियां ने देखा था। ऐसे में इस बार भी महाकुंभ के दौरान बेहतर सफाई व्यवस्था के लिए पीएम सफाई कर्मियों को सम्मानित करेंगे। 13 दिसंबर को प्रयागराज में लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि 2019 में कुंभ आयोजन की हर किसी ने प्रशंसा की थी।

कहा कि जो लोग हर 6 वर्ष पर कुंभ या महाकुंभ में स्नान के लिए आते हैं, उन्होंने पहली बार इतनी साफ –सुथरी व्यवस्था देखी। इसलिए उन्होंने सफाई कर्मियों का पैर ध ुलकर उनके प्रति अपनी कृतज्ञता दिखाई थी।

आठ स्थायी रैन बसेरों का कायाकल्प करवाया जा चुका है

प्रयागराज। रात की ठंड भरी शीतलहर से बचाव हेतु नगर निगम ने विभिन्न वार्ड आठ अस्थायी रैन बसेरे बाघम्बरी गद्दी रोड स्थित रैन बसेरा (बीएसएनएल ऑफिस के निकट) 117 लोग हैजा अस्पताल अल्लापुर (प्रथम), मुण्डेरा चुंगी (कानपुर रोड), नुरूल्ला रोड निकट रेलवे स्टेशन, यमुना रोड बैंक रोड निकट त्रिवेणी दर्शन होटल, लीडर रोड निकट रेलवे स्टेशन, हैजा अस्पताल अल्लापुर (द्वितीय), मीरा पट्टी वार्ड आफिस के ऊपर, नगर पंचायत झूंसी, अस्थायी रैन बसेरा, हिन्दू हास्टल के निकट प्रथम में 20 लोगहिन्दू हास्टल के निकट द्वितीय 20 लोग, एमजी मार्ग पीडी टण्डन पार्क के समीप प्रथम 20 लोग एम जी मार्ग पीडी टण्डन पार्क के समीप द्वितीय 20 लोग, एमजी मार्ग पीडी टण्डन पार्क के समीप तृतीय 20 लोग, दारागंज जल कल कम्पाउण्ड (प्रथम) 20 लोग, दारागंज जल कल कम्पाउण्ड (द्वितीय) 20 लोग, थार्नहिल रोड पर लोहिया मार्ग मोड़ पर रैन बसेरा प्रथम 30 लोग, थार्नहिल रोड पर लोहिया मार्ग मोड़ पर रैन बसेरा द्वितीय 30 लोग, एजी ऑफिस के निकट 30 लोग, एमजी मार्ग पत्थर गिरजाघर के समीप 20 लोग, रामबाग लेबर चौराहे के निकट प्रथम 30 लोग, रामबाग लेबर चौराहे के निकट द्वितीय 30 लोग, जीरो रोड़ बस अड्ड्डा के पास (प्रथम) 20 लोग जीरो रोड बस अड्ड्डा के पास (द्वितीय) 20 लोग, सिविल लाइन्स रोडवेज बस अड्डा (प्रथम) 20 लोग सिविल लाइन्स रोडवेज बस अड्डा (द्वितीय) 20 लोग झूसी पुलिस बूथ के पास 20 लोग, संगम पेट्रोल पम्प एल०आई०सी० रोड 20 लोग, मधवापुर सब्जी मंडी 20 लोग, चिरंजीव हॉस्पिटल के निकट 20 लोग, अस्थायी रैन बसेरा (पिंक सेल्टर होम) व्यक्तियों की क्षमता हिन्दू हास्टल के निकट (पिंक) 10 महिलाएं एम जी मार्ग पीडी टण्डन पार्क के समीप (पिंक) 10 महिलाएं थार्नहिल रोड पर लोहिया मार्ग मोड पर रैन बसेरा (पिंक) 10 महिलाएं एमजी मार्ग पत्थर गिरजाघर के समीप (पिंक) 10 महिलाएं रामबाग लेबर चौराहे के निकट (पिंक) 10 महिलाएं।

महाकुम्भ मेला 2025
के दौरान विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये महाकुम्भ मेला 2025 के दौरान विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी संख्या 01033/01034 छत्रपति शिवाजी महाराज (ट.) - मऊ कुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 01033 छत्रपति शिवाजी महाराज(ट.)-मऊ				गाड़ी संख्या - 01034 मऊ-छत्रपति शिवाजी महाराज(ट.)		
दिन	आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	दिन
दिन-1	----	11:30	छत्रपति शिवाजी महाराज (ट.) ▲	14:30	----	दिन-4
दिन-2	09:00	09:02	मानिकपुर	12:18	12:20	
	11:20	11:25	प्रयागराज छिवकी*	09:10	09:15	
	12:48	12:50	मिर्ज़ापुर	07:30	07:32	
	13:18	13:20	चुनार	07:00	07:02	दिन-3
दिन-2	22:00	----	▼ मऊ	----	23:50	दिन-2

अन्य ठहराव - उपरोक्त के अतिरिक्त यह गाड़ी **दादर, ठाणे, कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, मनमाड़, जलगांव, भुसावल, खंडवा, तलवड़िया, छनेरा, खिरकिया, हरदा, बानापुरा, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, वाराणसी, शाहगंज** एवं **आजमगढ़** स्टेशनों पर भी रुकेगी।

गाड़ी संरचना - सामान्य श्रेणी- 06, स्लीपर श्रेणी- 06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 04 एवं वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 02

छत्रपति शिवाजी महाराज (ट.) से : गाड़ी संख्या 01033, दिनांक 09, 17, 22, 25 जनवरी 2025, 05, 22 एवं 26 फरवरी 2025 को। **मऊ से** : गाड़ी संख्या 01034, दिनांक 10, 18, 23, 26 जनवरी 2025, 06, 23 एवं 27 फरवरी 2025 को।

गाड़ी संख्या 01455/01456 पुणे-मऊ कुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 01455 पुणे - मऊ				गाड़ी संख्या - 01456 मऊ - पुणे		
दिन	आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	दिन
दिन-1	----	10:10	पुणे ▲	15:45	----	दिन-4
दिन-2	09:00	09:02	मानिकपुर	12:18	12:20	
	11:20	11:25	प्रयागराज छिवकी*	09:10	09:15	
	12:48	12:50	मिर्ज़ापुर	07:30	07:32	
	13:18	13:20	चुनार	07:00	07:02	दिन-3
दिन-2	22:00	----	▼ मऊ	----	23:50	दिन-2

अन्य ठहराव - उपरोक्त के अतिरिक्त यह गाड़ी **दौंड कॉर्ड लाइन, अहमदनगर, बेलापूर, अंकाई, मनमाड़, जलगांव, भुसावल, खंडवा, तलवड़िया, छनेरा, खिरकिया, हरदा, बानापुरा, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, वाराणसी, शाहगंज** एवं **आजमगढ़** स्टेशनों पर भी रुकेगी।

गाड़ी संरचना - सामान्य श्रेणी- 06, स्लीपर श्रेणी- 06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 02 एवं वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 02

पुणे से : गाड़ी संख्या 01455, दिनांक 08, 16, 24 जनवरी 2025, 06, 08 एवं 21 फरवरी 2025 को। **मऊ से** : गाड़ी संख्या 01456, दिनांक 09, 17, 25 जनवरी 2025, 07, 09 एवं 22 फरवरी 2025 को।

गाड़ी संख्या 01217/01218 नागपुर-दानापुर कुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 01217 नागपुर - दानापुर				गाड़ी संख्या - 01218 दानापुर - नागपुर		
दिन	आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	दिन
दिन-1	----	10:00	नागपुर ▲	19:30	----	दिन-3
दिन-2	00:45	00:47	मानिकपुर	02:18	02:20	दिन-3
	02:35	02:40	प्रयागराज छिवकी*	23:20	23:25	
	04:28	04:30	मिर्ज़ापुर	21:40	21:42	
	05:23	05:25	चुनार	21:03	21:05	
दिन-2	11:00	----	▼ दानापुर	----	16:00	दिन-2

अन्य ठहराव - उपरोक्त के अतिरिक्त यह गाड़ी **नरखेड़, आमला, बैतूल, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, पं0 दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर** एवं **आरा** स्टेशनों पर भी रुकेगी।

गाड़ी संरचना - सामान्य श्रेणी- 06, स्लीपर श्रेणी- 06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 04 एवं वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 02

नागपुर से : गाड़ी संख्या 01217, दिनांक 26 जनवरी 2025, 05, 09 एवं 23 फरवरी 2025 को। **दानापुर से** : गाड़ी संख्या 01218, दिनांक 27 जनवरी 2025, 06, 10 एवं 24 फरवरी 2025 को।

नोटः- ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं० **1800 4199 139** | उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 2125/24(A)

प्रयागराज के नए सीएमओ डॉ. एके तिवारी ने संभाला कार्यभार

बोले- महाकुंभ होगी प्राथमिकता डॉ. आशु पांडेय अब संयुक्त निदेशक की जिम्मेदारी देखेंगे

प्रयागराज। डॉ. एके तिवारी ने आज रविवार को प्रयागराज के नए सीएमओ (मुख्य चिकित्सा अधिकारी) का कार्यभार संभाल लिया है। निवर्तमान सीएमओ डॉ. आशु पांडेय ने आधिकारिक तौर पर सभी कार्यभार उन्हें सौंप दिया है। दरअसल, डॉ. पांडेय प्रयागराज मंडल के ही संयुक्त निदेशक बनाए गए हैं। विभाग के अधिकारियों व सभी डॉक्टरों ने बुके देकर उनका स्वागत किया। इस दौरान ।ब्डव डॉक्टर आरसी पांडेय, डॉ. नवीन गिरी, डॉ, हेमंत पाठक, डॉ आरके श्रीवास्तव, डा. रावेंद्र सिंह, डॉ. अमृत लाल यादव, डॉ. अनुपम द्विवेदी समेत अन्य उपस्थित रहे। बता दें कि डॉ. एके तिवारी प्रयागराज के कुछ सामुदयिक स्वास्थ्य केंद्रों के अधीक्षक भी रहे हैं और यहां लंबे समय से कार्य कर रहे हैं। डॉ. तिवारी जौनपुर के रहने वाले हैं वह ळप्ब् प्रयागराज से इंटरमीडिएट, मोतीलाल नेहरू से डठठै और कानपुर से पीजी की पढ़ाई किए हैं। महाकुंभ होगी मेरी प्राथमिकता नए CMO के रूप में डॉ. एके तिवारी ने दैनिक भास्कर से बातचीत के दौरान बताया कि महाकुंभ उनकी प्राथमिकता होगी। बड़ा आयोजन होने जा रहा है, इसमें देश दुनिया से करोड़ों श्रद्धालु पहुंचेंगे, उन्हें स्वास्थ्य संबंधित किसी तरह की असुविधा न होने पाए इसका पूरा ख्याल रखा जाएगा। स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाना उनका लक्ष्य होगा।

टारगेट तय, 10 दिन में पूरा करना होगा महाकुंभ कार्य

प्रयागराज। तीर्थराज प्रयागराज में जनवरी 2025 में लगने जा रहे सनातन संस्कृति के सबसे बड़े समागम महाकुम्भ 2025 के लिए सरकार ने की तरफ से लगातार तैयारियों को पूरा किया जा रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी के प्रयागराज आगमन के बाद अब दस दिनों के अंदर मेले को सजाने और संवारने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके लिए जिले के अधिकारियों की तरफ से विशेष कार्ययोजना तैयार किया गया है। अधिकारियों ने सभी कार्यरत कर्मियों से आगामी 10 दिनों में तैयारियों को अमली जामा पहनाते हुए मेला क्षेत्र को सजाने का निर्देश दिया है। साथ ही, ढाई माह तक एकजुटता के साथ कार्य करते हुए महाकुम्भ के आयोजन को सफल बनाने के कड़े निर्देश दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को प्रयागराज दौरे पर महाकुम्भ से संबंधित 5500 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इस दौरान पीएम ने कहा कि 45 दिनों तक चलने वाले इस महा आयोजन की जो तैयारी की जा रही हैं, वह वाकई वृहद है। प्रयागराज में महाकुम्भ का आयोजन इतिहास बनाने जा रहा है। पीएम मोदी और सीएम योगी महाकुम्भ की तैयारियों से संतुष्ट नजर आए। इससे अधिकारियों में भी उत्साह है। शुक्रवार शाम को पीएम और सीएम के जाने के बाद अधिकारियों ने अगले दस दिनों की कार्ययोजना के बारे में चर्चा की। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप अगले 10 दिन में मेला पूरी तरह सज संवर जाएगा। सभी अधिकारी पूरी तत्परता से जुटे हुए हैं। मेले की शुरुआत से लेकर समापन तक आगामी ढाई माह बिना रुके और बिना थके सभी को कार्य करना है। वहीं पीएम और सीएम के दौरे के बाद अब अधिकारी सभी कार्यों में तेजी लाते हुए इन्हें 10 दिन के अंदर पूर्ण करने पर फोकस कर रहे हैं। पांटून पुल बनाने का कार्य तेजी से संपन्न हो रहा है, जबकि चौनेलाइजेशन का कार्य भी अंतिम चरण में है। लाइटिंग, टेंट, सौंदर्यीकरण समेत सभी कार्य प्रगति दी जा रही है। जिससे निर्धारित समय में कार्य को पूरा कराया जा सके। महाकुम्भ के कार्यों में देरी को देखते हुए जिलाधिकारी की तरफ से कड़े निर्देश दिए गए हैं। मेला के अलावा उसके आस–पास के क्षेत्र के कार्यों को समय से पूरा नहीं होने पर जिलाधिकारी ने संबंधित ठेकेदार पर कार्रवाई का निर्देश दिया है। अगर कहीं अधिक दिक्कत आती है, तो संबंधित ठेकेदार पर एफआईआर तक करने का मौखिक आदेश दिया गया है।

योगी ने अंबानी परिवार को दिया कुंभ का न्यौता

यूपी के मंत्रियों का कर्नाटक में रोड शो, त्रिवेणी स्नान का निमंत्रण दिया

प्रयागराज। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अंबानी परिवार को कुंभ में आने का न्योता दिया। महाराष्ट्र के मुंबई पहुंचे योगी आदित्यनाथ ने यह न्योता मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी को दिया।

योगी ने अनंत को महाकुंभ 2025 लिखा आमंत्रण कार्ड दिया। साथ ही महाकुंभ का पटका भी पहनाया। वहीं, दूसरी ओर अनंत अंबानी ने भी योगी का साल ओढ़ाकर सम्मान किया।

दुनिया की अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी 40 फीसदी से ज्यादा थी

योगी जियो कन्वेंशन सेंटर में विश्व हिंदू आर्थिक मंच के वार्षिक सम्मेलन में भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि पहली सदी से लेकर 15वीं सदी तक दुनिया की अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी 40 फीसदी से अधिक थी। यूरोप से जुड़े विद्वान भी इस बात को स्वीकार करते हैं। सब कुछ हमारे पास है। एक आज का भारत है जो अपनी श्रम शक्ति का सम्मान करता है। दूसरा वो भी समय था जब ऐसे श्रमिकों के हाथ काटकर जीवंत कला को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया।

रोड शो से महाकुंभ–2025 का संदेश

योगी सरकार प्रयागराज महाकुंभ–2025 को ऐतिहासिक बनाने के लिए पूरी तैयारी में है। शनिवार को बेंगलुरु में आयोजित भव्य रोड शो आयोजित किया गया। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री नरेंद्र कुमार कश्यप ने कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और जनता को महाकुंभ का न्योता दिया। उन्होंने महाकुंभ को भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक चेतना का सबसे बड़ा पर्व बताते हुए इसे दिव्य, भव्य और डिजिटल बनाने की प्रतिबद्धता जताई। मीडिया से बातचीत में यूपी के मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि महाकुंभ में 45 करोड़ श्रद्धालुओं, साधु–संतों और पर्यटकों के आने की संभावना है। इसे स्वच्छ, हरित और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया गया है। तीन लाख पौध रोपण किया गया है। स्वास्थ्य सुविधाओं में 100–बेड का अस्पताल, आईसीयू और विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महाकुंभ का आयोजन 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना का उत्सव होगा। उन्होंने इसे भारतवर्ष की विविधता में एकता का जयघोष बताया।

प्रयागराज में द्वारिका ढाबा के पास भीषण सड़क हादसा

फूलपुर, प्रयागराज। प्रयागराज के उतराव थाना क्षेत्र के जगतपुर रेलवे क्रॉसिंग द्वारिका ढाबा के पास भीषण सड़क हादसा हो गया। अज्ञात वाहन की टक्कर से झूसी जा रहे एक मर्चेंट नेवी कर्मी की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक की मौत से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। भदवा थाना उतराव निवासी गोकुल शंकर जो रिटायर्ड अध्यापक है। उनका लड़का राकेश कुमार यादव (43) जो मर्चेंट नेवी में जॉब करता था। वह शनिवार देर रात झूसी के लिए अपनी मोटरसाइकिल से जा रहा था। जैसे ही उतराव थाना क्षेत्र के जगतपुर रेलवे क्रॉसिंग द्वारिका ढाबा के पास पहुंचा ही था कि प्रयागराज की तरफ जा रही तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दिया।

एबीवीपी महाकुंभ में लगाएगा एआई बेस्ड प्रदर्शनी

प्रयागराज। विश्व के सबसे बड़े आयोजन महाकुंभ के लिए एबीवीपी यानी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद भी आगे आया है। इस महाकुंभ के महत्व को जन–जन तक पहुंचाने एवं आयोजन के दौरान सेवा, पर्यावरण तथा व्यवस्थापन में आमजनों तथा प्रशासन की मदद की रणनीति बनाई गई है। प्रयाग महानगर एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय इकाई के कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से इस पर मंथन भी किया है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने महाकुंभ के लिए वृहद रूप से तैयारियां शुरू की है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय संगठन मंत्री घनश्याम ने बताया कि इस दौरान एक माह तक अभाविप की सम्पूर्ण राष्ट्रीय टोली प्रयागराज के महाकुंभ क्षेत्र में आवंटित स्थान पर रहेंगी एवं यहीं से ।ठटच की सभी गतिविधियां देशभर में संचालित की जाएंगी। इस दौरान कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। सेवा, खेल, पर्यावरण, मेडिकल, विधि क्षेत्र से जुड़े विद्यार्थियों के लिए द्वारा इंटर्नशिप कार्यक्रम चलाया जाएगा। काशी प्रांत मंत्री अभय प्रताप सिंह ने कहा, "सरकार इस महाकुंभ को डिजिटल कुंभ बनाने पर जोर दे रही है, इसके तहत ।ठटच कार्यकर्ताओं द्वारा ।प्रदर्शनी लगाई जाएगी एवं कुंभ को हरित कुंभ बनाया जा सके इसके लिए प्रयास किया जाएगा।" काशी प्रांत संगठन मंत्री अभिलाष एवं पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ विवेक निगम ने बताया कि "।ठटच के कार्यकर्ता विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं को जोड़ने के लिए भी विशेष संपर्क अभियान चलाएंगे और आस्था के इस महापर्व में संपूर्ण भारत के ।ठटच कार्यकर्ताओं द्वारा आए श्रद्धालुओं की सेवा के लिए कार्य किया जाएगा।" राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं केंद्रीय मीडिया टोली के सदस्य अभिनव मिश्र ने बताया कि "ऐसा अनुमान है कि भारत से आए ।ठटच के लगभग 350 कार्यकर्ता महाकुंभ क्षेत्र में निवास करेंगे और आए श्रद्धालुओं को सेवाएं प्रदान कराएंगे।"

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. **UPHIN/2007/22706** रजि.नं. **AD-32/2008-09** ईमेलः **amritkt.alld@gmail.com** फोन नं. : **9453273951, 8799627062**